(b) to (d) It is not possible to accurately compare the prices prevailing in the international and domestic markets on account of different varieties traded, variations in quality and additional expenditure incurred in grading and packaging for exports. However the Food Corporation of India has been permitted to exported! for purposes of export during 1996-97 upto 5 lakh tonnes of non-durum wheat from public stocks against the carry over commitment made in 1995-96. Further, a ceiling of 10 lakh MTs of wheat has been released for exports of wheat from the sources other than Food Corporation of India for the year 1996-97.

सुपर बाजार के लिए निर्धारित निधियों का उपयोग

2231. **श्री गोपाल सिंह जी॰ स्रोलंकी:** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छठी और सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान सुपर बाजार के प्रशासन, विस्तार, विवरण और कर्मचारियों के लिए निर्धारित किए गए कुल खर्चे का कितना प्रतिशत सही रूप से और पूर्ण रूप से उपयोग में लाया गया;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उद्देश्यों हेतु कुल व्यय का कितना प्रतिशत खर्च किए जाने की संभावना है;

(ग) 1993 से सुपर बाजार की सही मायने में किन-किन विशेष क्षेत्रों में उपलब्धियां रही हैं; और

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान सुपर बाजार के विभिन्न कार्यक्रम में सुधारों/उन्नयन से संबंधित ब्यौरा क्या है?

खाद्य मंत्री और नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव): (क) और (ख) सुपर बाजार ने सूचित किया है कि वे अपने प्रशासन, विस्तार, वितरण तथा स्टाफ आदि के लिए व्यय का अलग-अलग प्रतिशत निर्धारित नहीं करते हैं।

(ग) सुपर बाजार के अनुसार उनकी उपलब्धि का विशिष्ट क्षेत्र समग्र कुल बिक्री व्यवसाय है।

(घ) प्राप्त सूचना के अनुसार आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सुपर बाजार के सुधार/दर्जाउन्नयन कार्यक्रम में नई शाखाएं खोलने, कम्प्यूटरीकरण करने तथा कैश रेजिस्ट्रेक्स मशीनें लगाने, पिसाई एकक स्थापित करने तथा कुछ शाखाओं के नवीकरण/फेरबदल का कार्य शामिल है।

रोजगार केन्द्रों में पंजीकृत बेरोजगार इंजीनियर, डाक्टर और स्नातक युवकों की संख्या

2232. **श्री राघवजी:** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 मार्च, 1996 की स्थिति के अनुसार देश में विभिन्न रोजगार कार्यालयों में राज्यवार कितने बेरोजगार युवकों के नाम पंजीकृत थे;

(ख) इनमें से कितने इंजीनियर, कितने डाक्टर तथा कितने अन्य स्नातक थे; और

(ग) वर्ष 1995-96 के दौरान रोजगार कार्यालयों के माध्यम से कितने बेरोजगार युवक रोजगार प्राप्त करने में सफल हुए?

श्रम मंत्री (श्री एम॰ अरुणाचलम): (क) देश में रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर, 31 मार्च, 1996 की स्थिति के अनुसार राज्यवार रोजगार चाहने वालों की संख्या (यह आवश्यक नहीं कि इनमें सभी बेरोजगार हों) विवरण-I पर संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(ख) शिक्षित रोजगार चाहने वालों (मैट्रिक एवं उससे अधिक) पर नवीनतम उपलब्ध सूचना दिसम्बर, 1993 के अंत तक, से संबंधित है। राज्यवार इंजीनियरों, डाक्टरों तथा अन्य स्नातकों की संख्या, जो 31.12.1993 तक रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर थे, संलग्न विवरण-II में प्रस्तुत है **(नीचे देखिए)**

(ग) वर्ष 1995-96 के दौरान देश में रोजगार कार्यालयों द्वारा की गई नियुक्तियों की संख्या 219.1 हजार थी।